Azadi Ka Amrit Mahotsav

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 1 5/14/2023 2:20:19 PM

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड

मधुमक्खी पालन : शक्ति से समृद्धि

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड देशभर में मधुमक्खी पालन के व्यवसाय को बढ़ावा देने एवं मधुमक्खी पालकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के तरीके और साधन खोजने के लिए सक्रिय रूप से लगातार काम कर रहा है।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 2 5/14/2023 2:20:20 PM

बेहतर आय की दृष्टि से मधुमक्खी पालन एक बहुत ही आकर्षक व्यवसाय है। मधुमक्खियां मानव जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये विभिन्न कृषि और बागवानी फसलों के परागण में ही सहायक नहीं होती, बल्कि फसलों की उपज बढ़ाने एवं उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने में भी मदद करती हैं। यही नहीं, मधुमक्खी पालन ग्रामीण एवं शहरी बेरोजगार लोगों के लिए आय सृजन का बेहतरीन जरिया भी है। मधुमक्खियां पर–परागण वाली फसलों में परागण सुनिश्चित करने के साथ–साथ शहद, मोम, पराग, शाही जेली, प्रोपोलिस और विष जैसे अन्य विभिन्न प्रकार के उत्पाद देकर भी समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इसके अलावा पौधों की जैव विविधता को बनाए रखने में भी मधुमक्खियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण में संतुलन बना रहता है।

पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रणाली एवं फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए मधुमक्खियां एक बहुत ही कम खर्चीला साधन कही जा सकती हैं। इसलिए, विशेष क्षेत्रों में खास फसलों को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने अपनी अनुशंसित योजनाओं में मधुमक्खी पालन को भी शामिल किया है। मधुमक्खी परागण के कारण फसलों, फलों, सब्जियों, तिलहनों, दालों आदि की पैदावार में वृद्धि होने की बहुत संभावना रहती है। यही नहीं, सामान्य फसल की उपज में वृद्धि के माध्यम से होने वाली आय शहद उत्पादन से मिलने वाली आय से बहुत अधिक हो सकती है।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 3 5/14/2023 2:20:22 PM

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) का उद्देश्य

समग्र रूप से टिकाऊ एवं निरंतर कृषि और ग्रामीण विकास में मधुमक्खी पालन के महत्व को देखते हुए जून 2006 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 21 (1860) के तहत सचिव (ए एंड एफडब्ल्यू) की अध्यक्षता में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू), के अधीन राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) का गठन किया गया था।

एनबीबी देश में वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन व्यवसाय के समग्र प्रचार और विकास के लिए काम कर रहा है। इसका उद्देश्य मधुमक्खी परागण के माध्यम से विभिन्न फसलों की उत्पादकता को बढ़ाना एवं शहद और इस व्यवसाय से मिलने वाले अन्य उत्पादों के जरिए मधुमक्खी पालकों/किसानों की आय में वृद्धि करना है। राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड किसानों को वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन करने और इससे अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड मधुमक्खी पालकों और किसानों को वैज्ञानिक तरीके से अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है ताकि वे फसलों को परागित करने में मदद करने के साथ-साथ अच्छी आमदनी हासिल कर सकें

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 4 5/14/2023 2:20:29 PM

देश एवं अपनी समृद्धि के लिए मधुमक्खी पालन व्यवसाय अपनाएं

क्या है राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अनुमोदित केंद्रीय योजना राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) ऐसी योजना है जिसके जरिए एनबीबी देश में मीठी क्रांति के लक्ष्य को हासिल कर रहा है।

एनबीएचएम का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खी पालन उद्योग के समग्र विकास के साथ–साथ किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार सृजन के लिए वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करना है। यही नहीं, कृषि और गैर–कृषि परिवारों को आजीविका अर्जित करने में सहायता प्रदान करना, कृषि/बागवानी उत्पादन में वृद्धि, एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र (आईबीडीसी/सीओई) सहित बुनियादी सुविधाओं का विकास करना भी इसके प्रमुख लक्ष्यों में शामिल है। इसके अलावा शहद परीक्षण प्रयोगशालाएं एवं शहद तथा अन्य मधुमक्खी उत्पादों के प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचा, मधुमक्खी पालन व्यवसाय के लिए नवीनतम तकनीक विकसित करना और उनका प्रचार–प्रसार करना भी इसी के जिम्मे है।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 5 5/14/2023 2:20:33 PM

संपूर्ण विकास के लिए एनबीएचएम के तीन मिनी मिशन

मिनी मिशन–I: इस मिशन का उद्देश्य वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन को अपनाकर परागण के माध्यम से विभिन्न फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में सुधार पर जोर देना है। इसके अलावा मधुमक्खी प्रजनकों का विकास, गुणवत्ता वाले न्यूक्लीयस स्टॉक सेंटर के विकास, शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पाद परीक्षण हेतु क्षेत्रीय/बड़ी और मिनी शहद परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना और उनका विकास करना है। मधुमक्खी पालन उपकरण निर्माण इकाइयों की स्थापना और मानकीकरण करना आदि भी शामिल है।

इसके अलावा इस मिशन के उद्देश्यों में एपीथेरेपी केंद्र, मधुमक्खी पालकों/अन्य उद्यमियों का पंजीकरण करना, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा मधुमक्खी पालन के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना, वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन के प्रचार और विकास के लिए नई वैश्विक तकनीक को बढ़ावा देना भी है।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 6 5/14/2023 2:20:34 PM

मिनी मिशन–II: यह मिशन शहद उत्पादन के बाद संग्रह, प्रसंस्करण, भंडारण, विपणन और मूल्यवर्धन सहित मधुमक्खी उत्पादों के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए उसके लिए अपेक्षित ढांचागत सुविधाओं को विकसित करने में लगातार प्रयत्नशील है।

इस मिशन का ध्यान शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के संग्रह, व्यापार, ब्रांडिंग और विपणन, अन्य परियोजनाओं के साथ–साथ शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के लिए पैकेजिंग, भंडारण, शीत भंडारण आदि के क्षेत्र में भी है। यह पुराने शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों की प्रसंस्करण इकाइयों और संयंत्रों के नवीनीकरण/विस्तार का भी प्रयास कर रहा है।

मिनी मिशन–III: यह मिशन विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों/कृषि–जलवायु और सामाजिक–आर्थिक स्थितियों के हिसाब से वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

एनबीएचएम के लक्षित क्षेत्र

एनबीएचएम परियोजना पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के अलावा अन्य उन राज्यों में भी विकास पर विशेष जोर देती है जहां व्यक्तिगत लाभार्थियों/सोसाइटियों/फर्मों और कंपनियों के मामले में अनुमोदित सब्सिडी पैटर्न 50 प्रतिशत है और संस्थागत ढांचे के मामले में 75 प्रतिशत तथा एनबीबी सहित राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय सरकारी संगठनों के लिए 100 प्रतिशत निर्धारित है। पूर्वोत्तर क्षेत्र और हिमालयी राज्यों के लिए, सब्सिडी पैटर्न सभी व्यक्तियों, संस्थानों/संगठनों के लिए 90 प्रतिशत और सरकारी एजेंसियों/संगठनों के मामले में 100 प्रतिशत दी जाती है। इसी प्रकार, प्रशिक्षण, सेमिनार, किसानों एवं मधुमक्खी पालकों, इससे जुड़े अधिकारियों आदि के लिए कौशल विकास सहित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए, सभी कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए फंडिंग/सब्सिडी का पैटर्न 100 प्रतिशत है।

मधुमक्खी पालन अपनाएं, आय बढ़ाएं
स्वस्थ जीवन के लिए खूब शहद खाएं

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 7 5/14/2023 2:20:34 PM

शहद के फायदे

शहद को देवताओं का भोजन कहा गया है। इसके अनेकों पोषक और ऊर्जावर्धक फायदे हैं। जैसे–

■ यह शरीर में स्फूर्ति लाता है और भूख बढ़ाता है। साथ ही, पेट में खाद्य पदार्थों को आसानी से आत्मसात करने और पचाने में मदद करता है।

■ यह बहुत उच्च कैलोरी वाला उत्पाद है और बच्चों में कैल्शियम की आपूर्ति करता है।

■ शहद हर लिहाज से स्वास्थ्य के लिए बहुत अधिक पौषक हैं, क्योंकि इसमें प्रोटीन, विटामिन, एंजाइम, कार्बनिक अम्ल और लैक्टोन, खनिज आदि होते हैं।

■ फूलों और मधुमक्खियों की प्रणालियों से स्रावित कई अन्य हार्मोन और ट्रेस पदार्थ भी शहद में पाए जाते हैं, जो बहुत ही लाभकारी होते हैं।

■ महिलाओं में यह एनीमिक स्थितियों में सुधार करने में मदद करता है। इसके अलावा वृद्ध लोगों को स्फूर्ति एवं ऊर्जा देता है और उनकी भूख भी बढ़ाता है।

■ बाजार में शहद की कीमत बहुत अच्छी मिलती है और यह किसान को नकद आय प्रदान करता है।

मधुमक्खियों से मिलने वाले अन्य बेशकीमती उत्पाद

पराग

मधुमक्खी पराग में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से रोकते हैं। इन कोशिकाओं के बढने या क्षतिग्रस्त होने से कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इसी लिए तो मधुमक्खी पराग को सुपरफूड का दर्जा दिया गया है।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 8 5/14/2023 2:20:36 PM

शाही जैली

यह रानी मधुमक्खियों का भोजन होता है और इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह जोश और प्रजनन क्षमता को बनाए रखने में मदद करता है।

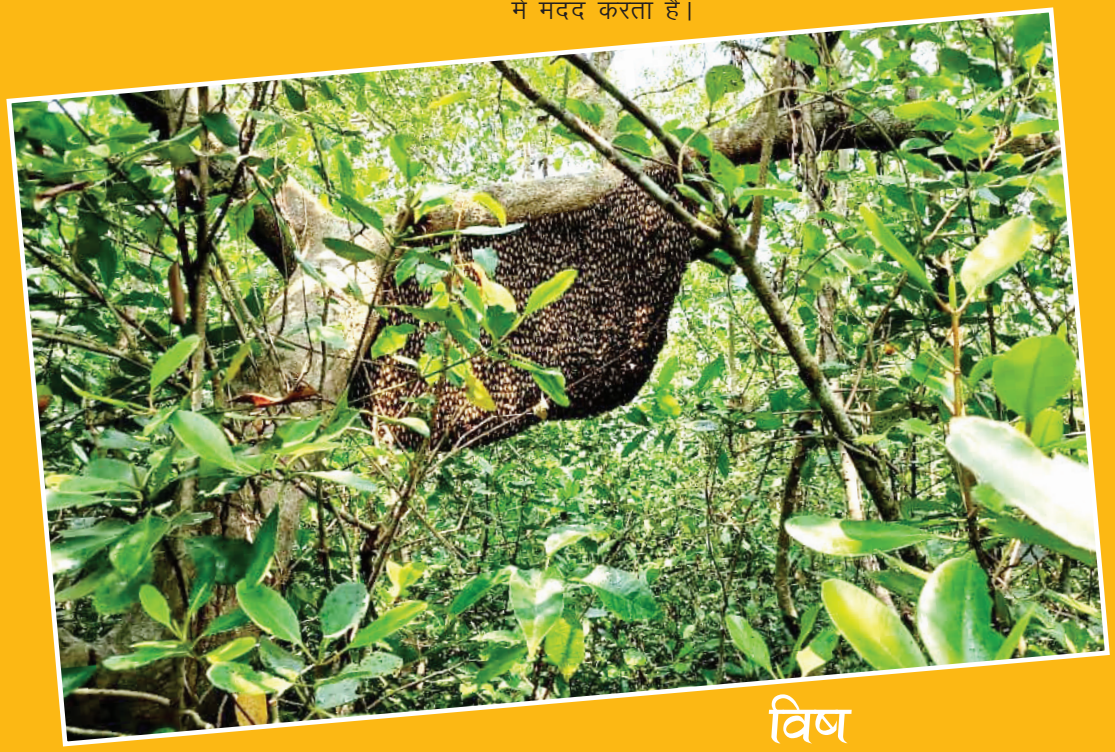

विष

मधुमक्खियों से मिलने वाला यह बहुत ही उच्च कीमत वाला उत्पाद है। इसका दवा उद्योग में बहुत उपयोग होता है। यह सधिशोथ, तंत्रिका दर्द (नसों का दर्द), मल्टीपल स्केलेरोसिस के इलाज में काम आता है। इसके अलावा उन लोगों में मधुमक्खी के डंक की प्रतिक्रिया को कम करना, जिन्हें उनसे एलर्जी (डिसेंसिटिस) होती है (वेनम इम्यूनोथेरेपी), सूजे हुए टेंडन (टेंडोनाइटिस) और मांसपेशियों की स्थिति जैसे फाइब्रोमायोसिटिस और एंथेसाइटिस को ठीक करने में भी इसका उपयोग किया जाता है। यही नहीं, कॉस्मेटिक उद्योग में भी इसकी बड़ी मांग है।

मोम और प्रोपोलिस

मधुमक्खी का मोम बाजार में शहद से लगभग दोगुना महंगा बिकता है। इसकी बहुत अधिक मांग है, क्योंकि यह सौंदर्य प्रसाधन और दवा, दंत उद्योग आदि में उपयोग किया जाता है।

छत्ता शहद

यह एक प्रकार का वैक्स या मोम ही होता है जिसमें शहद भरा होता है और मधुमक्खी के छत्ते में पाया जाता है। यह बहुत ही मूल्यवान उत्पाद है जिसे सीधे उपभोग किया जा सकता है।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 9 5/14/2023 2:20:36 PM

मधुमक्खी पालन उद्योग में रोजगार के अवसर

भारत में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएं हैं। वनस्पतियां और जीवों की विविधता मधुमक्खी पालन उद्योग के विकास के लिए आपार अवसर प्रदान करती है। राष्ट्रीय कृषि आयोग ने देश में कृषि फसलों के परागण के लिए लगभग 150 मिलियन (15 करोड़) मधुमक्खी कालोनियों को स्थापित करने की आवश्यकता जतायी है।

भारत में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाएं हैं। यहां उपलब्ध वनस्पतियां और जैव विविधता मधुमक्खी पालन उद्योग के विकास में बहुत अधिक सहायक हैं। राष्ट्रीय कृषि आयोग ने देश में कृषि फसलों के परागण के लिए लगभग 150 मिलियन (15 करोड़) मधुमक्खी कालोनियों को स्थापित करने की आवश्यकता की परिकल्पना की है। मधुमक्खी पालन उद्योग में गांव के लोगों, आदिवासियों, सीमांत एवं छोटे किसानों और भूमिहीन मजदूरों के लिए स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

मधुमक्खी पालन में संभावनाओं वाले क्षेत्र

- देश में प्रमुख कीट–परागण वाली फसलों और उसके क्षेत्र के अनुसार इन फसलों की उपज को विकसित देशों की उपज के स्तर के बराबर बढ़ाने के लिए लगभग 200 मिलियन (20 करोड़) मधुमक्खी कालोनियों की आवश्यकता होगी।

राष्ट्रीय मधुमक्खी पा

दूरदृष्टि व योजनाएं

रोजगार सृजन के लिए देश में वैज्ञानिक तरीके मधुमक्खी पालन को बढ़ाव

परागणकर्ताओं की अधिकतर प्रजातियाँ जंगली है जिनमें मधुमक्खियों की 20,000 से अधिक प्रजातियाँ भी शामिल है।

परागणकर्ता दुनिया के कुल फसल उत्पादन मे 35 प्रतिशत का योगदान करते हैं। यह दुनिया भर की 115 प्रमुख खाद्य फसलों में से 87 का परागण करते हैं।

मानव द्वारा उपयोग की जाने वाली विश्व की लगभग 75 प्रतिशत फलों और बीजों का उत्पादन करने वाली फसलें आंशिक रूप से परागणकर्ताओं पर निर्भर करती है।

मधुक्रांति पोर्टल का उद्देश्य मधुमक्खी पालकों का पंजीकरण करके शहद उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करना होगा।

क्षेत्रीय और मिनी शहद परीक्षण स्थापना करनी होगी।

लाभा

सभी व्यक्ति/संस्थान/संगठन/समितियां/सहकारिता/स्वयं सहायता समूह (एसए (एफआईजी)/एनबीबी/सरकारी एजेंसियों के फर्म/एफपीओ/एफपीस

शुद्ध शहद का सेवन, स्वस्थ निरोगी जीवन

- शहद प्रकृति का अनमोल खाद्य उपहार है, जिसके उत्पादन से नकद आय भी होती है। कहा भी गया है कि शुद्ध शहद का सेवन, स्वस्थ निरोगी जीवन।
- मधुमक्खी के छत्तों से निकलने वाला मोम शहद से दुगना महँगा होता है, जिसकी दवा क्षेत्र में बहुत मांग है।
- मधुमक्खियों से मिलने वाले अन्य उत्पाद जैसे पराग, प्रोपोलिस, जहर और शाही जेली आदि शहद और मोम की तुलना में कई गुना महंगे बिकते हैं।
- मधुमक्खियां फसल उत्पादन–गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने में दोहरा लाभ प्रदान करती हैं।
- फूलों के पौधों को परागित करने से जैव विविधता का संरक्षण होता है।
- एपिथेरेपी में मधुमक्खी उत्पादों का दवा के लिए उपयोग किया जाता है।

शहद उत्पादन एवं निर्यात

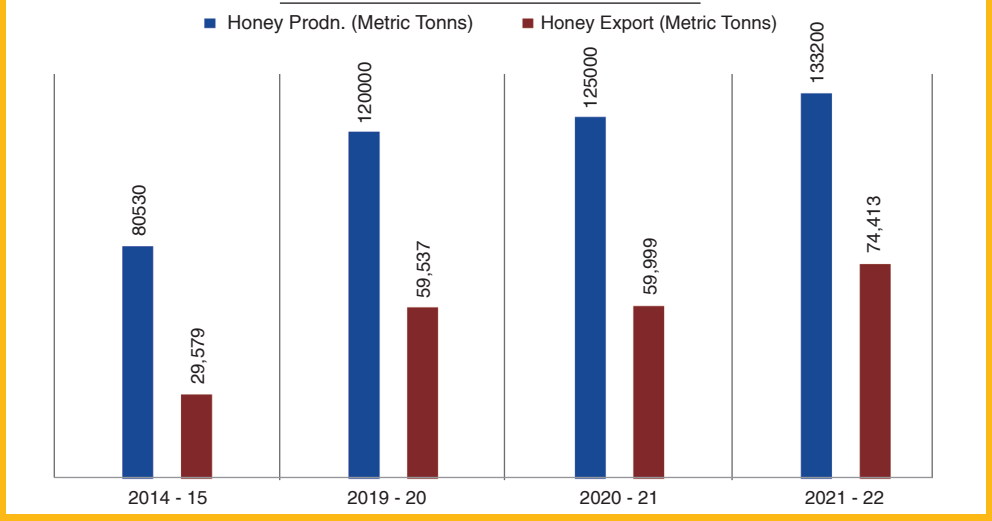

पालन और शहद मिशन

ढ़ावा देना और किसानों की आय दोगुनी करना इसके लक्ष्यों में शामिल है।

ट्रेसिबिलिटी के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले शहद का व्यापार (घरेलू और निर्यात) सुनिश्चित होगा।

100 एफपीओ के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले शहद के प्रसंस्करण निर्माण करना होगा।

ताभार्थी

(एसएचजी) / संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) / किसान / मधुमक्खी पालन इच्छुक समूह
फपीसी / सदस्य समितियां / सदस्य मधुमक्खी पालक संघ (एमबीएफ)।

मुधमक्खी उत्पाद

प्रजाति	प्रकृति	चारा औसत हनी (किमी)	रेंज उपज किलो/वर्ष)
भारतीय मधुमक्खी: एपिस सेराना इंडिका	पालतु	0.8–1.0	10–12/छत्ता
पश्चिमी मधुमक्खी: एपिस मेलिफेरा, ए लिगस्टिका, ए. कार्निका	पालतु	1.0–2.0	50–60/छत्ता
रॉक बी: एपिस डोरसाटा	जंगली	–	50/छत्ता
छोटी मधुमक्खी: एपिस फ्लोरिया	जंगली	–	0.25/छत्ता
डंकरहित मधुमक्खी: टेट्रागोनुला	जंगली और पालतु	–	200–300 ग्राम/कालोनी

एपिस मेलिफेरा, एपिस सेराना और डंकरहित मधुमक्खियां पाली जाती हैं। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और जम्मू–कश्मीर प्रमुख शहद उत्पादक राज्य हैं। अन्य सभी राज्यों और पूर्वोत्तर राज्यों में भी मधुमक्खी पालन की अच्छी संभावनाएं हैं।

भारत विभिन्न देशों को शहद का निर्यात करता है। शहद के निर्यात के प्रमुख बाजार अमेरिका, अरब अमीरात, कनाडा, कतर, नेपाल, मोरक्को, यमन, कुवैत, सऊदी अरब और बांग्लादेश सहित अन्य देश हैं।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 12 5/14/2023 2:20:42 PM

"यदि पृथ्वी से
मधुमक्खी गायब
हो जाती है तो मनुष्य
के पास जीने के लिए चार
वर्ष से अधिक समय
शेष नहीं बचेंगे"
–आल्बर्ट आइन्सटाइन

प्रशंसा

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने संबोधन में दार्जिलिंग के गुरदूम गांव का उदाहरण दिया, जो मधुमक्खी पालन के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि हिमालय में बसे इस गांव से शहद और अन्य बागवानी उत्पादों की अत्यधिक मांग है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के सुंदरवन क्षेत्र में निकाले गए शुद्ध और जैविक शहद की दुनिया भर में मांग है।

शहद सहक्रियात्मक है,
यह सभी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बढ़ाता है

गुजरात मॉडल

माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी, गुजरात मॉडल का हवाला देते हैं। गुजरात के बनासकांठा जिले में मधुमक्खी पालन क्रांति पर अपना ध्यान केंद्रित किया था, जहां राज्य के दूरदराज के गांवों में शहद मिशन के संबंध में सरकार के प्रयासों से स्थानीय किसानों के लिए कई रूप में रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। स्थानीय आबादी के बीच शहद निकालने वालों और मधुमक्खी पालकों को सामरिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण का इस्तेमाल किया गया और शहद अथवा मीठी क्रांति के विचार को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी बक्से वितरित किए। हाल के दिनों में मधुमक्खी पालन के लिए प्रधानमंत्री की पहल के तहत हजारों की संख्या में नए किसानों को मधुमक्खी पालन उपकरण और मधुमक्खियों के प्रबंधन के प्रशिक्षण दिया गया था, जिससे यह क्षेत्र शहद उत्पादन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरकर आए। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम अपने मन की बात संबोधन में भी इन घटनाओं का जिक्र किया है।

उन्होंने अपने संबोधन में दार्जिलिंग के गुरदूम गांव का उदाहरण दिया, जो मधुमक्खी पालन के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि हिमालय में बसे इस गांव से शहद और अन्य बागवानी उत्पादों की अत्यधिक मांग है, जिससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के सुंदरबन क्षेत्र में निकाले गए शुद्ध और जैविक शहद की दुनिया भर में मांग है। शहद सहक्रियात्मक है, सभी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बढ़ाता है।

मधुमक्खी पालन के लाभ

- सीमित संसाधनों की जरूरत
- भूमि के स्वामित्व की आवश्यकता नहीं है।
- मुख्य व्यवसाय को प्रभावित किए बिना लोगों को अतिरिक्त रोजगार मिलेगा।

परागण सहायक प्रदान करें

मधुमक्खियां सबसे अच्छी और सबसे महत्वपूर्ण परागणकर्ता हैं जो निम्नलिखित लाभ प्रदान करती हैं–

- मधुमक्खी परागण से न केवल फसलों की पैदावार बढ़ती है बल्कि उत्पाद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।
- फूलों के पौधों और खेती की गई फसलों के परागण द्वारा जैव विविधता का रखरखाव और इसके सतत विकास में मदद करती है।

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 14 5/14/2023 2:20:46 PM

शुक्र हो या शनि, रोज खाओ हनी

विश्व मधुमक्खी दिवस

पृथ्वी के पर्यावरण को सतत व स्वस्थ रखने में मधुमक्खियों की आवश्यक भूमिका के बारे में जागरूकता और परागण सेवाओं को बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अनिवार्य रूप से विश्व मधुमक्खी दिवस 20 मई को मनाया जाता है।

सभी मधुमक्खी पालकों/किसानों/मंत्रालयों/विभागों/राज्य सरकारों/अन्य हितधारकों आदि से अनुरोध है कि वे विश्व मधुमक्खी दिवस (डब्ल्यूबीडी) मनाएं।

■किसानों से अनुरोध है कि वे मधुमक्खी पालकों के साथ सहयोग करें और उन्हें अपनी फसलों में फूलों की अवस्था में मधुमक्खी कालोनियों को रखने के लिए आमंत्रित करें ताकि फसल उत्पादन और उपज की गुणवत्ता में वृद्धि हो सके।

■कृषि और पर्यावरण के सतत विकास में मदद करता है।

■मधुमक्खी पालन में किसी तरह का कोई नुकसान नहीं है और यह कृषि में एक लागत रहित, महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में कार्य करता है।

■ग्रामीणों, आदिवासियों, सीमांत और छोटे किसानों, भूमिहीन मजदूरों, बेरोजगार लोगों आदि को स्वरोजगार प्रदान करता है। इस प्रकार, आजीविका के स्रोत के रूप में कार्य करता है।

■शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के उत्पादन के माध्यम से मधुमक्खी पालकों/किसानों/भूमिहीन मजदूरों की आय में मोम, प्रोपोलिस, पराग, शाही जेली, मधुमक्खी का विष, छत्ता शहद, आदि से बढ़ोतरी।

–यह किसानों की समृद्धि, लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के साथ मजबूत राष्ट्र के निर्माण में मदद करता है।

शहद है अनमोल रतन; अपनाने का करो जतन

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 15 5/14/2023 2:20:49 PM

HONEY DIVERSITY IN INDIA

Southern Region
Mustard, Sunflower, Coriander, Jamun Honey, Rubber honey, Moringa (Drumstick) honey, Wild/ Forest Honey

Western Region
Sunflower honey, Jamun Honey, Tulsi Honey

Northern & Central Region
Acacia Honey, Mustard Honey, Jamun Honey, Eucalyptus honey, Tulsi Honey, Karanj Honey, Coriander Honey, Ajwain Honey, Neem Honey, Sidar(Beri) Honey, Citrus Honey, Saffron Honey

Eastern Region
Litchi Honey, Mustard Honey, Coriander Honey, Wild/ Forest Honey

North Eastern Region
Stingless bee honey, Jamun Honey, Wild/ Forest honey

nafed
A Farmers' Cooperative

tribes india
ट्राइब्स इंडिया

NATIONAL DAIRY DEVELOPMENT BOARD

NBB

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
बी-विंग द्वितीय तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23719025, 23325265
वेबसाइट : **nbb.gov.in**
ईमेल : **nationalbeeboard.2006@gmail.com**

BOOKLET [NBB] HINDI_NEW_1_MAY 13.indd 16 5/14/2023 2:20:58 PM